ऊर्जा संरक्षण सप्ताह के अवसर पर
माननीय प्रबंध संचालक महोदय का संदेश

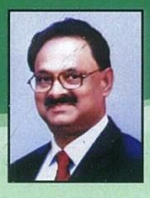

अत्यंत हर्ष का विषय है कि प्रतिवर्ष की तरह हम आज 14 दिसंबर के दिन को ''ऊर्जा संरक्षण'' दिवस के रूप में मना रहे हैं। आम लोगों में ऊर्जा बचत की जागरूकता पैदा करने के लिये ऊर्जा संरक्षण सप्ताह प्रतिवर्ष मनाया जाता है।

ऊर्जा बचत कार्यक्रम के तहत भारत सरकार द्वारा 'उजाला' कार्यक्रम प्रारंभ किया गया है जिसका शुभारंभ माननीय प्रधानमंत्री द्वारा 5 जनवरी-2015 को किया गया जिसके अंतर्गत प्रकाश के लिये सामान्य बल्ब की जगह एलईडी बल्ब लगाये जा रहे हैं। इस कार्यक्रम के तहत् 77 करोड़ एलईडी बल्ब मार्च-2019 तक लगाये जाने का लक्ष्य रखा गया है। दिनांक 22.11.2018 की स्थिति में पूरे देश में 31.49 करोड़ एलईडी बल्ब लगाये जा चुके हैं जिससे प्रतिवर्ष 40,906 मिलियन यूनिट ऊर्जा की बचत हुई है एवं प्रतिवर्ष 16,363 करोड़ रूपये की बचत हो रही है। साथ ही ऊर्जा की शीर्ष मांग में 8190 मेगावॉट की कमी आई है तथा कार्बन डायऑक्साईड के उत्सर्जन में 3,31,34, 233 टन की कमी आई है। इसी प्रकार हमारे प्रदेश में 1,73,37,145 एलईडी बल्ब लगाये जा चुके हैं। ऊर्जा बचत प्रतिवर्ष 2251 मिलियन यूनिट है जिससे प्रतिवर्ष लगभग 901 करोड़ रूपये की बचत हो रही है। प्रदेश की शीर्ष मांग में 451 मेगावॉट कमी के साथ 18,23,734 टन कार्बन डायऑक्साईड का उत्सर्जन प्रतिवर्ष कम हुआ है। जैसे-जैसे सामान्य बल्ब की जगह एलईडी बल्ब लगाने की संख्या बढ़ेगी यह आंकड़े बेहतर होते जाएंगे। इसी प्रकार एलईडी ट्यूबलाईट सामान्य ट्यूबलाईट की जगह लगाये जा रहे हैं। ऊर्जा संरक्षण में वृद्धि, ऊर्जा दक्षता में सुधार और नवकरणीय स्त्रोतों से ऊर्जा के उत्पादन में वृद्धि के द्वारा ऊर्जा के मामले में निश्चित रूप से आत्मनिर्भर बना जा सकता है तथा वातावरण को स्वच्छ बनाया जा सकता है।

ऐसे क्षेत्र जहां पर विद्युतीकरण संभव नहीं हो सका है, वहां केन्द्र सरकार द्वारा विद्यार्थियों को 70 लाख सोलर स्टडी लैंप दिये जा रहे हैं। हमारा देश नवकरणीय ऊर्जा की स्थापित क्षमता में सोलर ऊर्जा की स्थापित क्षमता के हिसाब से विश्व में 5वें तथा 6वें पायदान पर पहुंच चुका है। ऊर्जा संरक्षण की दिशा में एक कदम आगे बढ़ाते हुये एवं सोलर ऊर्जा को महत्ता प्रदान करते हुये भारत सरकार द्वारा कुसुम योजना (किसान ऊर्जा सुरक्षा एवं उत्थान महाभियान) के अंतर्गत 27.5 लाख सोलर पंप लगाने की योजना बनाई जा रही है। हमारे प्रदेश में भी मुख्यमंत्री सोलर पंप योजना के अंतर्गत सोलर पंप लगाये जा रहे हैं। भारत सरकार द्वारा सोलर पार्क स्थापित करने का लक्ष्य 20 गीगावॉट से बढ़ाकर 40 गीगावॉट कर दिया गया है। अभी तक 21 राज्यों में कुल 26 गीगावॉट क्षमता के सोलर पार्क स्थापित करने की स्वीकृति प्रदान की जा चुकी है। सबसे बड़ा सोलर पार्क 2 गीगावॉट क्षमता का कर्नाटक के पावागडा में स्थापित किया जा रहा है। यहां पर यह उल्लेखनीय है कि हमारे प्रदेश में भी सोलर ऊर्जा का कार्य प्रगति पर है एवं वर्तमान में सोलर ऊर्जा की स्थापित क्षमता (रम्स रीवा सहित) 1530 मेगावॉट हो गई है। भारत सरकार द्वारा 3 लाख सोलर सड़क बत्ती, जहां पर विद्युतीकरण संभव नहीं है ऐसे क्षेत्रों में लगाई जा रही है। इसी प्रकार 25 केडब्ल्यू पीक क्षमता के सोलर पॉवर प्लाण्ट विभिन्न संस्थानों को विद्युत प्रदाय करने हेतु लगाये जाने की योजना है। सोलर ऊर्जा को वृहद् स्तर पर उपयोग में लाने के लिये इंटरनेशनल सोलर एलाइंस का गठन किया जा चुका है जिसका मुख्यालय भारत में स्थापित होगा। भारत सरकार द्वारा 60 शहरों को सोलर ऊर्जा शहर के रूप में विकसित करने का प्रस्ताव है जिसमें से अभी तक 48 शहरों को विकसित करने की सैद्धांतिक सहमति प्रदान की जा चुकी है। इन शहरों में हमारे प्रदेश के भी 4 शहर क्रमशः ग्वालियर, इंदौर, भोपाल एवं रीवा सम्मिलित हैं।

मध्यप्रदेश पॉवर ट्रांसमिशन कंपनी द्वारा ऊर्जा संरक्षण हेतु अपने स्तर पर भी कई महत्वपूर्ण प्रयास किये गये हैं जिनको सफलता भी मिली है। विगत वर्षो में किये गये प्रयासों के फलस्वरूप पारेषण हानि में उल्लेखनीय कमी हुई है, जो कि ऊर्जा संरक्षण की गतिविधियों का ही एक आयाम है। अति उच्चदाब उपकेंद्र में उपयोग होने वाले विभिन्न उपकरणों में सामान्य इंडीकेटिंग बल्बों की जगह एलईडी इंडीकेटिंग बल्बों का उपयोग किया जा रहा है। साथ ही अति उच्चदाब उपकेंद्र में प्रकाश व्यवस्था हेतु यार्ड लाईट एवं कॉलोनियों में सोडियम लैम्पों के स्थान पर एलईडी का उपयोग किया जा रहा है। हरित ऊर्जा को बढ़ावा देने के प्रयास भी किये जा रहे हैं। विभिन्न अति उच्चदाब उपकेंद्रों पर रूफ टॉप सौर ऊर्जा पैनल लगाये गये हैं, जो सफलतापूर्वक कार्य कर रहे हैं, आगे भी यह प्रक्रिया जारी रहेगी। आइये हम सब मिलकर ऊर्जा संरक्षण की दिशा में प्रयास करें एवं दूसरों को भी प्रेरित करें।

(पी.ए.आर. बेन्डे)
प्रबंध संचालक
म.प्र.पॉवर ट्रांसमिशन कंपनी लिमि., जबलपुर